# उत्साह के साथमनायागयाजन्मदिवस

## मुक्तविश्वविद्यालय के यशस्वीमाननीय कुलपतिजी के जन्मदिवस की झलकियाँ

परमआदरणीयाकुलपतिजीआपकोआपकेजन्मदिन की अशेष शुभकामनाएं |ईश्वरआपकोहमेशास्वस्थ एवंप्रसन्न रखें |आपइसीतरहसमाजमेंलोगोंकोप्रेरितकरतेरहे एवंहम सब आपकेसानिध्य मेंनित्य नईचीज़े सीखतेरहेऔरआपकाआशीर्वादहमेशा यूंहीमिलतारहे। एक बारपुनः जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के जन्मदिनपरविश्वविद्यालय के निदेशकों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवंछात्र–छात्राओं ने बधाईदीतथा उनके दीर्घायु एवंस्वस्थ जीवन की कामनाकी |कुलपतिकोअपनेबीचमेंउपस्थित देख विश्वविद्यालय परिवारप्रफुल्लितरहा।

*माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजीकोपुष्पगुच्छभेंटकरजन्मदिवस की बधाईदेतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण*

माननीय कुलपति
प्रोफेसरसत्यकामजी
को
पुष्पगुच्छ
भेंटकर
जन्मदिवस
की
बधाई
देतेहुए
विश्वविद्यालय परिवार
के
सदस्यगण

# मुक्तविश्वविद्यालय द्वाराविश्वदिव्यांगदिवस का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मेंविश्वविद्यालय प्रयागराज के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी के निर्देशपरशिक्षा विद्याशाखा के निदेशकप्रोफेसर पी0 के0 स्टालिन के निर्देशनमेंदिनांक 03 दिसम्बर, 2024 कोशिक्षा विद्याशाखा एवंबचपन डे केयरसेंटरप्रयागराज के तत्वाधानमेंविश्वदिव्यांगदिवस का आयोजनकियागया।कार्यक्रम का शुभारम्भदीपप्रज्वलन के साथकियागया । इस अवसरपरदिव्यांगबच्चों द्वाराविभिन्नप्रकार के सांस्कृतिककार्यक्रमों का आयोजनकियागयाजिसमेंनृत्य, नाटक, खेलप्रतियोगिताइत्यादिथे ।

# मुक्त चिन्तन

शिक्षा विद्याशाखा के प्रोफेसर छत्रसालजी ने अपनेआशीवचनमेंदिव्यांगबच्चों द्वाराकिए गए कार्यक्रमोंकोप्रोत्साहितकरतेहुए कहाकि यदिइन्हेंसहीमौकादियाजाए तो यह सामान्य लोगों से किसीस्तरपर कम नहींहैतथादिव्यागता के क्षेत्र मेंकार्यकररहेसभीशिक्षकगण एवंसहयोगियोंको उनके कार्यों की सराहनाकरतेहुए कहाकिदिव्यांगों के प्रशिक्षण के कार्यकरनेवालेशिक्षकोंकोकुंभ के पुण्य से भीज्यादापुण्य के भागीदारहै।

पिछड़ावर्गकल्याणअधिकारी डॉ0 कोमिल द्विवेदी द्वारादिव्यांगबच्चों के कार्यक्रमों से भावविभोरहोतेहुए कार्यक्रम की सराहनाकरतेहुए उनके अभिभावक एवंसमुदाय के लोगोंकोआगे बढ़करसहयोगकरनेहेतुप्रेरितकियागया।

जिलादिव्यांगविभागअधिकारीश्रीअशोकगौतमजी द्वारादिव्यांगोंकोदीजानेवालीविभिन्नसुविधाओं का उल्लेख कियागयातथा उनके तकसुविधाओंकोपहुंचानेहेतुजनजन की सहभागिताहेतुअभिप्रेरितकियागया ।

दिव्यांगसशक्तिकरणविभागप्रयागराजमंडलअधिकारीश्रीअभय कुमारश्रीवास्तव द्वारास्पेशलओलंपिक खेलोंमेंप्रतिभागकरनेहेतुविभिन्न खेलों की जानकारीदीगईतथासाथहीसाथअभिभावकोंकोभीअभिप्रेरितकियागयाकिवेअपनेबच्चोंकोइन खेलोंमेंप्रतिभागकरनेहेतुसहयोगप्रदानकरें ।

डॉ नीतामिश्रा द्वारादिव्यांगबच्चों के समावेशनपरजोरदियागयातथाउन्होंने शीघ्रहस्तक्षेपनपर बल देतेहुए कहाकि यदिबच्चोंकोजल्द से जल्दपहचानकरलियाजाए तो उनके दिव्यांगतापरकाफीहदतकविजय पायाजासकताहै।

श्रीमतिसुषमा सिंह ने अपनेवक्तव्य मेंदिव्यांगबच्चों के अभिभावकोंकोदिव्यांगबच्चों के साथ–साथस्वयंकोभीसशक्तकरनेहेतुप्रेरितकियाजिससेकि उन बच्चों के देखभाल एवंसमाज की मुख्य धारामेंजोड़नेमेंअहमभूमिकानिभासकतेहैंऔरसमाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बन सकतेहैं ।

उक्तकार्यक्रममेंशिक्षा विद्या शाखा के प्रोफेसर छत्रसाल सिंह, डॉ0 दिनेशसिंह–सहआचार्य ,डॉ0 नीतामिश्रा–सहायकआचार्य, श्रीमती सुषमा सिंह –सहायकआचार्यतथाबचपन डे केयरसेंटर के समन्वयकश्रीचंद्रभान द्विवेदी, जिलाउपनिदेशकदिव्यांगजनशक्तिकरणविभागप्रयागराज–श्रीअभय कुमारश्रीवास्तव ,जिलादिव्यांगअधिकारी–श्रीअशोकगौतम ,पिछड़ावर्गकल्याणअधिकारी– डॉ0 कोमिल द्विवेदीतथाबचपन के केयरसेंटर के समस्तशिक्षकगण एवंसात्विकसंस्था के समस्तसदस्यगण एवंबी.एड विशिष्टशिक्षा के प्रशिक्षुशिक्षकउपस्थितथे।

# मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रोफेसरअजेंद्रकुमारमलिक ए.डी. साइंटिफिकइंडेक्समेंटॉपतीनप्रतिशतमें शामिल

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्रोफेसरअजेंद्रकुमारमलिकको ए डीसाइंटिफिकइंडेक्समेंटॉपतीनप्रतिशतसाइंटिस्टमें शामिलकियागयाहै।प्रोफेसरअजेंद्रकुमारमालिकवर्तमानमेंस्कूलऑफ़ साइंसेजमें गणित विषय मेंप्रोफेसर पद परकार्यरतहै।प्रो. मलिक के ए.डी. साइंटिफिकइंडेक्समेंटॉपतीनप्रतिशतमें शामिलहोनेपरउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम, कुलसचिवकर्नलविनय कुमार, विज्ञानविद्याशाखा के निदेशकप्रो. आशुतोषगुप्ता व अन्य विद्या शाखाओं के निदेशकगण एवंशिक्षकगणसहितअनेकोंसंस्थाओं के प्रतिनिधियों ने शुभकामनाएंदीहैं।प्रोफेसरमालिक, निदेशक, सेंटरफॉरऑनलाइन एजुकेशन; प्रभारीनिदेशक, रीजनलसेंटरमेरठ; नोडलअफसर, स्वयंपोर्टल, स्वयंप्रभा; उत्साहपोर्टलइत्यादिविश्वविद्यालय के महत्वपूर्णपदोंपरकार्यरतहै।इससेपूर्वमेंप्रोफेसरमालिकविश्वविद्यालय मेंप्रभारीनिदेशक, स्कूलऑफ़ कंप्यूटर एंडइनफार्मेशनसाइंस एवंस्कूलऑफ़ हेल्थसाइंसेज के महत्वपूर्णपदोंपरभीकार्यकेरचुकेहै।

दोवर्षपूर्वप्रोफेसरमालिककोभारतसरकार की संस्थाविज्ञानप्रसार की इकाईविपनेट से संबद्ध नेशनलकाउंसिलऑफरिसर्चरटीचरसाइंटिस्टइंडिया (एन.सी.आर.टी.एस) द्वारावर्ष 2022 मेंराष्ट्रीय निदेशक के रूपमेंसेवाएंदेने के लिए मनोनीतकियाथा।प्रो. मलिक ने बतायाहैकिवहविज्ञानलोकप्रियकरणहेतुसतत् प्रयासरतहैंतथा ऐच्छिक रूप से उत्तराष्ट्रीय स्तर की संस्थाको निःशुल्कसेवाएं दे रहेहै । उक्तसंस्थामेंनासा, डीएसटी, एनसीईआरटी, इसरोजैसीप्रतिष्ठितसंस्थाओं के वैज्ञानिक एवंशिक्षाविदजुड़ेहैं।प्रोफेसरअजेंद्रकुमारमलिककोविज्ञान एवंतकनीकी के प्रचारप्रसार एवंराष्ट्रीय स्तरपरअतुलनीय कार्यकरनेहेतु 01 फरवरी, 2022 कोराष्ट्रीय शिक्षकपुरस्कारतथा 22 दिसंबर, 2018 विपनेट–विज्ञानप्रसार (भारत सरकार के डीएसटी के तहत ) नेटवर्कदासाऔर त्रिपुरा के एस.डब्ल्यू.ए से राष्ट्रीय गणित दिवसपर गणित लोकप्रियता के लिए श्रीनिवासरामानुजनपुरस्कार से सम्मानितकियागयाथा।

प्रो.मलिक ने बी.के. बिड़लाइंस्टीट्यूटऑफइंजीनियरिंग एंडटेक्नोलॉजीपिलानी के गणित विभागमेंपंद्रहवर्षोंतक शैक्षिक योगदानदियाहै।प्रो. मलिककोशिक्षा औरअनुसंधानमें 19 से अधिकवर्षों का अनुभवहै।उनकीविशेषज्ञता का क्षेत्र ऑपरेशंसरिसर्च, इन्वेंटरीकंट्रोलऔरसॉफ्टकंप्यूटिंगतकनीकहै।उन्होंनेप्रतिष्ठितराष्ट्रीय औरअंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओंमें 100 से अधिक शोधपत्र प्रकाशितकिए है।उन्हेंकईसंस्थानों (आईआईटी औरअन्य विश्वविद्यालयों ) में गणित औरअनुसंधानपद्धतिमेंविभिन्न शोधविषयोंपर 100 से अधिकवार्तादेने के लिए आमंत्रित कियागयाहै।उन्होंनेवर्ष 2014 मेंप्रतिष्ठितसंस्थानई.आई.एस.टी.आईविश्वविद्यालय, पेरिस, फ्रांसमेंविजिटिंगप्रोफेसर के रूपमेंभीकामकियाहैं।

प्रो. मलिक, ऑपरेशंसरिसर्च (ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस), ऑप्टिमाइजेशनटेक्निक्स, टोपोलॉजी, मैजेरथ्योरी एंडइंटीग्रेशन (विली, ड्रीम टेक), औद्योगिकइंजीनियरिंग (सीआरसी प्रेस), जैसी 31 पुस्तकों के लेखक व सह–लेखकहैं।वहविद्वानसमाजों, एसोसिएशनऑफइन्वेंटरी एकेडमिक्स एंडप्रैक्टिशनर्स (एआईएपी) इंडियन एसोसिएशनफॉररिलायबिलिटी एंडस्टैटिस्टिक्स,(आईएआरएस, राजस्थानगणितापरिषद के आजीवनसदस्य हैं।प्रो.मलिक ने एम.एससी. (गणित) गुरुकुलकांगड़ीविश्वविद्यालय हरिद्वार, उत्तराखंड से औरपीएच.डी.डिग्री, चौधरीचरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ, उत्तरप्रदेश से प्राप्त किया है।

# मुक्तविश्वविद्यालय की शोधप्रवेशपरीक्षा सकुशलसम्पन्न

*विश्वविद्यालय के यमुनापरिसरस्थित त्रिवेणी सामुदायिकभवनमेंपरीक्षा केन्द्र का निरीक्षणकरतेहुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी*

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय की शोध प्रवेशपरीक्षा आजदिनांक 07 दिसंबर, 2024 कोविश्वविद्यालय के यमुनापरिसरस्थित त्रिवेणी सामुदायिकभवनमेंसंपन्नहुयी।परीक्षा के दौरानविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी द्वारापरीक्षा केंद्र का औचकनिरीक्षणकियागया।परीक्षा व्यवस्था के संबंधमेंमाननीय कुलपतिजी ने परीक्षार्थियों से भीबातचीत की एवंपरीक्षा व्यवस्थाकोपरीक्षा की सुचिताबनाए रखनेहेतुकेन्द्रव्यवस्थापकोंकोनिर्देशितकिया।परीक्षा केंद्राध्यक्ष द्वाराबतायागयाकिकुल 14 विषयोंमें शोध प्रवेशपरीक्षा आयोजित की गईजिसमेंकुल 167 छात्र उपस्थितहुए।

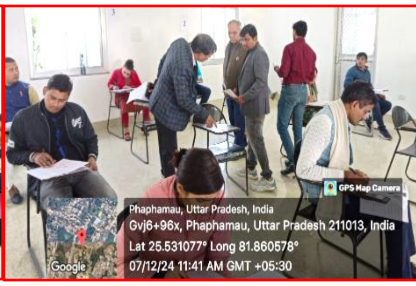

# ;kstukcksMZ dh 38oha (आकस्मिक) cSBdvk;ksftr

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज की योजनाबोर्ड की 38वीं (आकस्मिक) बैठकदिनांक 16 दिसम्बर, 2024 कोअपराह्न 04:00 बजेकमेटी कक्ष मेंआहूत की गई।बैठक की अध्यक्षताविश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रोफेसरसत्यकामजी ने की।बैठकमेंकईमहत्वपूर्णनिर्णय लियेगये।

*प्रोफेसरसत्यका मजी*
*माननीयकुलपति,*

*योजनाबोर्ड की बैठक की अध्यक्षताकरतेहुए माननीय कुलपतिजी एवंउपस्थितमाननीय सदस्यगण।*

बैठकमें प्रो0 एस0 पी0 माथूर, प्रबन्ध शास्त्र संस्थान, काशीहिन्दुविश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्वकुलपति, जय प्रकाशविश्वविद्यालय, छपराबिहार, डॉ0 राकेशकुमारतिवारी, अर्थशास्त्र विभाग, महात्मागॉधीकाशीविद्यापीठ, वाराणसी, श्रीबनमाली सिंह, उप कुलसचिव, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली, डॉ0 पंकज खरे, पूर्वनिदेशक, नियोजन एवंविकास, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली (विशेष आमंत्रित सदस्य), प्रो0 आशुतोषगुप्ता, निदेशक, विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 छत्रसाल सिंह, आचार्य (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 मीरापाल, आचार्य (फूड न्यूट्रिशन एवं डाइटेक्सि), स्वास्थ्य विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, श्रीमनोजकुमारबलवन्त, असिस्टेन्ट (कम्प्यूटर विज्ञान), विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज एवंकर्नलविनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज (ऑफ लाइन एवं ऑनलाइन) प्रतिभागकिये।

*योजनाबोर्ड की बैठक की अध्यक्षताकरतेहुए माननीय कुलपतिजी एवंउपस्थितमाननीय सदस्यगण।*

मुक्त चिन्तन

19 दिसम्बर, 2024

# विद्यापरिषद् की 83वीं बैठकआयोजित

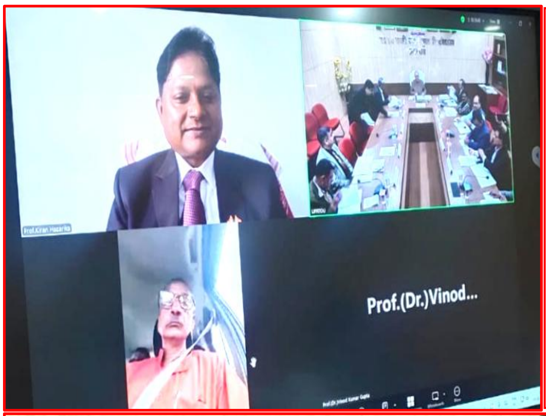


उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय की विद्यापरिषद् की 83वीं बैठकदिनांक19 दिसम्बर, 2024 कोअपराह्न 03:00 बजेकमेटी कक्ष मेंआहूत की गई।बैठक की अध्यक्षता, विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो0 सत्यकामजी ने की।बैठकमेंमहत्वपूर्णनिर्णय

ekuuh; dqyifr izks0

सर्वप्रथमबैठकप्रारंभहोने से पूर्वकुलसचिव ने माननीय कुलपतिजी से सभीसम्मानितसदस्यों का परिचय कराया।तत्पश्चातमाननीय कुलपतिजी ने सभीसदस्यों का स्वागतकिया । इसकेउपरांत माननीय कुलपतिजी की आज्ञा से कुलसचिव ने बैठक की कार्यवाहीप्रारंभकी।

*fo|kifj"kn ds cSBd dh v/;{krkdjjgsekuuh; dqyifr izks0 lR;dketh ls cSBdizkjEHkdjus dh*

*बैठक की अध्यक्षताकरतेहुए माननीयकुलपतिजी एवंcSBdesamifLFkr ek0 lnL;x.kA*

ekuuh; dqyifr izks0 lR;dke

fo|kifj"kn ds cSBd dh v/;{krkdjrsgq, ekuuh; dqyifr izks0 lR;dketh ,oacSBdesamifLFkr ek0 lnL;x.kA

बैठकमें प्रो0 संदीपरंजनझा, प्रोफेसर, भौतिकी, विज्ञानसंकाय, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली, डॉ0 पंकज खरे, पूर्वनिदेशक, नियोजन एवंविकास, इन्दिरागॉधीराष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नईदिल्ली, प्रो0 किरणहजारिका, प्रकतकुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, पंजाब, भटिंडा, प्रो0 मानुका खन्ना, प्रतिकुलपति, लखनऊविश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 राजशरण शाही, शिक्षा शास्त्र विभाग, बाबासाहबभीमरावअम्बेडकरविश्वविद्यालय, लखनऊ, प्रो0 आशुतोषगुप्तानिदेशक, विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सत्यपालतिवारी, निदेशक, मानविकीविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 प्रशान्तकुमारस्टालिन, निदेशक, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 सन्तोषाकुमार, निदेशक, समाजविज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 विनोदकुमारगुप्ता, आचार्य (संस्कृत), मानविकीविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, प्रो0 छत्रसाल सिंह, आचार्य (शिक्षा शास्त्र), शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 ज्ञानप्रकाश यादव, एसोसिएटप्रोफेसर, प्रबन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 देवेशरंजन त्रिपाठी, एसोसिएटप्रोफेसर, प्रवन्धन अध्ययन विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सी0 के सिंह, सहायकआचार्य, (कम्प्यूटर विज्ञान) विज्ञानविद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज, डॉ0 सुरेन्द्रकुमार, असिस्टेन्टप्रोफेसर, शिक्षा विद्याशाखा, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज एवंश्रीविनय कुमार, कुलसचिव, उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजआनलाइन / आफलाइनउपस्थितरहे।

# foRrlfefr dh 57oha

ekuuh; dqyifr izks0

m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;] iz;kxjkt }kjkfoRrlfefr dh 57oha cSBdfnukad20 fnlEcj] 2024 dksiwokZg~~u 11%30 ctsdesVh d{k esavkgwr dh xbZAcSBd dh v/;{krkizksQsljlR;dketh] ekuuh; dqyifr] m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;

cSBdesaizeq[k lfpomPpf'k{kk m0 iz0 'kklu dh vksj ls {ks=kh; mPpf'k{kk vf/kdkjh] iz;kxjkt dk;Zifj"kn }kjkukferlnL; Jhvt; dqekj flag] iwoZfoRrvf/kdkjh] m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;] iz;kxjkt] lfpo] foRrfoHkkx] m0 iz0 'kkludksvksj ls vijfuuns'kd] isa'ku ,oadks"kkxkj] iz;kxjkt] iwuefeJk] foRrvf/kdkjh] m0iz0 jktf"kZV.MueqDrfo'ofo|ky;] iz;kxjkt] duZyfou; dqekj] dqylfpo@ijh{kk

ekuuh; dqyifrth ls cSBdizkjEHkdjus dh vuqefrizkIrdjrhgqbZfo'ofo|ky;

*foRrlfefr dh cSBd dh v/;{krkdjrsgq, ekuuh; dqyifrlR;dketh ,oacSBdesamifLFkrekuuh; lnL;x.kA*

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

पायनियर
Established 1865
www.dailypioneer.com
लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

## अटलकी सौवीं जयंती पर मुक्त विवि में आज से त्रिदिवसीय कार्यक्रम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय प्रयागराज में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर 23 से 25 दिसंबर तक त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें काव्य पाठ राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही अटल प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। 23 दिसंबर को सायं तीन बजे से हिंदुस्तानी एकेडमी एवं मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि सुनीत राय डीआईजी रेंज सीआरपीएफप्रयागराज होंगे तथा अध्यक्षता प्रो सत्यकाम कुलपति उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे। अटल जी की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या में प्रो वशिष्ठ अनूप वाराणसी डॉ कमलेश राय मऊ डॉ अतुल बाजपेई लखनऊ पीयूष मालवीय दिल्ली अमित शुक्ला रीवा मानक मुकेश कानपुर तथा डॉ श्लेश गौतम डॉ विनम्र सेन सिंह अशोक बेशरम डॉ वंदना शुक्ला राधा शुक्ला एवं मिस्बाह इलाहाबादी प्रयागराज काव्य पाठ करेंगे। इसी क्रम में 24 दिसंबर को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अपराह्न तीन बजे लोकतंत्र में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता मिथिलेश नारायण क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि राधाकांत ओझा वरिष्ठ अधिवक्ता उच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश प्रयागराज होंगे।

दैनिक अमृत प्रभात
वर्ष - 48 अंक - 357 प्रयागराज, सोमवार 23 दिसंबर 2024 पृष्ठ - 12 मूल्य - 3.50 रुपए
जनता के साथ जनता की आवाज

## आज से मुक्त विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय कार्यक्रम

अमृत प्रभात, फाफामऊ (नि.सं.)।

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर 23 से 25 दिसंबर 2024 तक त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें काव्य पाठ, राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही अटल प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। 23 दिसंबर को सायं 3:00 बजे से हिंदुस्तानी एकेडमी एवं मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि श्री सुनीत राय, डीआईजी रेंज, सीआरपीएफ, प्रयागराज होंगे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे। अटल जी की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या में प्रोफेसर वशिष्ठ अनूप, वाराणसी डॉ कमलेश राय, मऊ, डॉ अतुल बाजपेई, लखनऊ, पीयूष मालवीय, दिल्ली, अमित शुक्ला, रीवा, मानक मुकेश, कानपुर, तथा डॉ श्लेश गौतम, डॉ विनम्र सेन सिंह, श्री अशोक बेशरम, डॉ वंदना शुक्ला, श्रीमती राधा शुक्ला एवं मिस्बाह इलाहाबादी, प्रयागराज काव्य पाठ करेंगे। इसी क्रम में 24 दिसंबर 2024 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अपराह्न 3:00 बजे लोकतंत्र में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता मिथिलेश नारायण, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि राधाकांत ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी के अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे।

अटल बिहारी वाजपई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप कुमार पांडेय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 25 दिसंबर को विश्वविद्यालय परिसर में भारत रत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई की आदमकद प्रतिमा की स्थापना की जाएगी एवं अटल जी द्वारा रचित चुनी हुई कविताएं नामक पुस्तक का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थ प्राची अस्पताल से समझौता ज्ञापन होगा तथा कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संचालन संबंधी घोषणा कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। उन्होंने उक्त कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों,कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से उपस्थित रहने की अपील की है।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
हरबात
मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 02 ● अंक 245 Website: https://www.harbaatnews.com ग्वालियर, सोमवार 23 दिसम्बर 2024 Email Id: dainikharbaat@gmail.com

## अटल जी की सौवीं जयंती पर मुक्त विश्वविद्यालय में आज से त्रिदिवसीय कार्यक्रम

-हरबात न्यूज़-

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर 23 से 25 दिसंबर 2024 तक त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें काव्य पाठ, राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही अटल प्रतिमा की स्थापना की जाएगी।

23 दिसंबर को सायं 3:00 बजे से हिंदुस्तानी एकेडमी एवं मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि सुनीत राय, डीआईजी रेंज, सीआरपीएफ, प्रयागराज होंगे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे।

अटल जी की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या में प्रोफेसर वशिष्ठ अनूप, वाराणसी डॉ कमलेश राय, मऊ, डॉ अतुल बाजपेई, लखनऊ, पीयूष मालवीय, दिल्ली, अमित शुक्ला, रीवा, मानक मुकेश, कानपुर, तथा डॉ श्लेश गौतम, डॉ विनम्र सेन सिंह, अशोक बेशरम, डॉ वंदना शुक्ला, श्रीमती राधा शुक्ला एवं मिस्बाह इलाहाबादी, प्रयागराज काव्य पाठ करेंगे। इसी क्रम में 24 दिसंबर 2024 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अपराह्न 3:00 बजे लोकतंत्र में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री मिथिलेश नारायण, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि राधाकांत ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी के अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे।

अटल बिहारी वाजपई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप कुमार पांडेय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 25 दिसंबर को विश्वविद्यालय परिसर में भारत रत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई की आदमकद प्रतिमा की स्थापना की जाएगी एवं अटल जी द्वारा रचित चुनी हुई कविताएं नामक पुस्तक का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थ प्राची अस्पताल से समझौता ज्ञापन होगा तथा कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संचालन संबंधी घोषणा कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। उन्होंने उक्त कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों,कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से उपस्थित रहने की अपील की है।

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
युनाइटेड भारत
हिन्दी दैनिक

## अटल जी की सौवीं जयंती पर मुक्त विश्व विद्यालय में आज से त्रिदिवसीय कार्यक्रम

### काव्य पाठ, राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही होगी अटल प्रतिमा की स्थापना

युनाइटेड भारत

प्रयागराज। उ० राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर 23 से 25 दिसंबर 2024 तक त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें काव्य पाठ, राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही अटल प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। 23 दिसंबर को सायं 3 बजे से हिंदुस्तानी एकेडमी एवं मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि सुनीत राय, डीआईजी रेंज, सीआरपीएफ होंगे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उ० राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे। अटल जी की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या में देश के कई कवि काव्य पाठ करेंगे। इसी क्रम में 24 दिसंबर 2024 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अपराह्न 3 बजे लोकतंत्र में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता मिथिलेश नारायण, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि राधाकांत ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय होंगे। संगोष्ठी के अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति करेंगे। अटल बिहारी वाजपई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप कुमार पांडेय ने यह बताया कि 25 दिसंबर को विश्वविद्यालय परिसर में भारत रत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई की आदमकद प्रतिमा की स्थापना की जाएगी एवं अटल जी द्वारा रचित चुनी हुई कविताएं नामक पुस्तक का वितरण किया जाएगा। उक्त कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों,कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से उपस्थित रहने की अपील की है।

लक्ष्य समग्र

## अटल जी की सौवीं जयंती पर मुक्त विश्वविद्यालय में आज से त्रिदिवसीय कार्यक्रम

⇨ काव्य पाठ,राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही होगी अटल प्रतिमा की स्थापना

लक्ष्य समग्र/संवाददाता

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर 23 से 25 दिसंबर 2024 तक त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें काव्य पाठ,राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही अटल प्रतिमा की स्थापना की जाएगी।23 दिसंबर को सायं 3:00 बजे से हिंदुस्तानी एकेडमी एवं मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया है।जिसके मुख्य अतिथि सुनीत राय,डीआईजी रेंज,सीआरपीएफ, प्रयागराज होंगे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम,कुलपति,उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे।अटल जी की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या में प्रोफेसर वशिष्ठ अनूप,वाराणसी डॉ कमलेश राय,मऊ,डॉ अतुल बाजपेई, लखनऊ,पीयूष मालवीय,दिल्ली, अमित शुक्ला,रीवा,मानक मुकेश, कानपुर,तथा डॉ० श्लेश गौतम,डॉ विनम्र सेन सिंह, अशोक बेशरम,डॉ वंदना शुक्ला,राधा शुक्ला एवं मिस्बाह इलाहाबादी, प्रयागराज काव्य पाठ करेंगे।इसी क्रम में 24 दिसंबर 2024 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अपराह्न 3:00 बजे लोकतंत्र में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।जिसके मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता मिथिलेश नारायण,क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख,पूर्वी उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि श्री राधाकांत ओझा,वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय,उत्तर प्रदेश, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी के अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे।अटल बिहारी वाजपई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप कुमार पांडेय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 25 दिसंबर को विश्वविद्यालय परिसर में भारत रत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई की आदमकद प्रतिमा की स्थापना की जाएगी एवं अटल जी द्वारा रचित चुनी हुई कविताएं नामक पुस्तक का वितरण किया जाएगा।इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थ प्राची अस्पताल से समझौता ज्ञापन होगा तथा कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संचालन संबंधी घोषणा कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे।उन्होंने उक्त कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों,शिक्षकों,कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से उपस्थित रहने की अपील की है।

कानपुर सोमवार 23 दिसम्बर 2024 वर्ष-18 अंक-44 पृष्ठ-10 मूल्य 1:00 डाक पंजीयन. सं.-केपी.सिटी-137/2023-25
दैनिक तस्वीर आजकल
Tasveer aajkal news
कानपुर देहात/सिद्धार्थनगर/चित्रकूट/महोबा/उन्नाव/ बहराइच /मऊ/फतेहपुर/बरेली/ हमीरपुर/औरैया/लखनऊ/ उरई ( जालौन )/फर्रुखाबाद/कन्नौज/प्रयागराज/झांसी में प्रसारित

## अटल जी की सौवीं जयंती पर मुक्त विश्वविद्यालय में आज से त्रिदिवसीय कार्यक्रम

### काव्य पाठ, राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही होगी अटल प्रतिमा की स्थापना

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पँडित अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर 23 से 25 दिसंबर 2024 तक त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें काव्य पाठ, राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही अटल प्रतिमा की स्थापना की जाएगी।

23 दिसंबर को सायं 3:00 बजे से हिंदुस्तानी एकेडमी एवं मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि श्री सुनीत राय, डीआईजी रेंज, सीआरपीएफ, प्रयागराज होंगे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे।

अटल जी की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या में प्रोफेसर वशिष्ठ अनूप, वाराणसी डॉ कमलेश राय, मऊ, डॉ अतुल बाजपेई, लखनऊ, पीयूष मालवीय, दिल्ली, अमित शुक्ला, रीवा, मानक मुकेश, कानपुर, तथा डॉ श्लेश गौतम, डॉ विनम्र सेन सिंह, श्री अशोक बेशरम, डॉ वंदना शुक्ला, श्रीमती राधा शुक्ला एवं मिस्बाह इलाहाबादी, प्रयागराज काव्य पाठ करेंगे।

इसी क्रम में 24 दिसंबर 2024 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अपराह्न 3:00 बजे लोकतंत्र में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता श्री मिथिलेश नारायण, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि श्री राधाकांत ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी के अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे।

अटल बिहारी वाजपई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप कुमार पांडेय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 25 दिसंबर को विश्वविद्यालय परिसर में भारत रत्न पँडित अटल बिहारी बाजपेई की आदमकद प्रतिमा की स्थापना की जाएगी एवं अटल जी द्वारा रचित चुनी हुई कविताएं नामक पुस्तक का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थ प्राची अस्पताल से समझौता ज्ञापन होगा तथा कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संचालन संबंधी घोषणा कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। उन्होंने उक्त कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों,कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से उपस्थित रहने की अपील की है।

जनसंपर्क अधिकारी।

न्यायाधीश

## अटल की सौवीं जयंती पर मुक्त विश्वविद्यालय में आज से त्रिदिवसीय कार्यक्रम

प्रयागराज।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर 23 से 25 दिसंबर 2024 तक त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें काव्य पाठ, राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही अटल प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। 23 दिसंबर को सायं 3:00 बजे से हिंदुस्तानी एकेडमी एवं मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि श्री सुनीत राय, डीआईजी रेंज, सीआरपीएफ, प्रयागराज होंगे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे।अटल जी की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या में प्रोफेसर वशिष्ठ अनूप, वाराणसी डॉ कमलेश राय, मऊ, डॉ अतुल बाजपेई, लखनऊ, पीयूष मालवीय, दिल्ली, अमित शुक्ला, रीवा, मानक मुकेश, कानपुर, तथा डॉ श्लेश गौतम, डॉ विनम्र सेन सिंह, श्री अशोक बेशरम, डॉ वंदना शुक्ला, श्रीमती राधा शुक्ला एवं मिस्बाह इलाहाबादी, प्रयागराज काव्य पाठ करेंगे।इसी क्रम में 24 दिसंबर 2024 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अपराह्न 3:00 बजे लोकतंत्र में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

nyaydhish@gmail.com, nyaydhish@yahoo.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत
www.tijaratnews.com

## पूर्व पीएम अटल जी की सौवीं जयंती पर मुक्त विवि में आज से त्रिदिवसीय कार्यक्रम

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पं अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर 23 से 25 दिसंबर तक त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें काव्य पाठ, राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही अटल प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। 23 दिसंबर को सायं 3:00 बजे से हिंदुस्तानी एकेडमी एवं मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि डीआईजी रेंज, सीआरपीएफप्रयागराज सुनीत राय होंगे तथा अध्यक्षता प्रोफ़ेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे। अटल जी की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या में प्रोफ़ेसर वशिष्ठ अनूप, वाराणसी डॉ कमलेश राय, मऊ, डॉ अतुल बाजपेई, लखनऊ, पीयूष मालवीय, दिल्ली, अमित शुक्ला, रीवा, मानक मुकेश, कानपुर, तथा डॉ श्लेश गौतम, डॉ विनम्र सेन सिंह, अशोक बेशरम, डॉ वंदना शुक्ला, राधा शुक्ला एवं मिस्बाह इलाहाबादी, प्रयागराज काव्य पाठ करेंगे। इसी क्रम में 24 दिसंबर को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अपराह्न 3:00 बजे लोकतंत्र में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता मिथिलेश नारायण, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि राधाकांत ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय होंगे। संगोष्ठी के अध्यक्षता कुलपति राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे। अटल बिहारी वाजपई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफ़ेसर प्रदीप कुमार पांडेय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 25 दिसंबर को विश्वविद्यालय परिसर में भारतरत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई की आदमकद प्रतिमा की स्थापना की जाएगी एवं अटल जी द्वारा रचित चुनी हुई कविताएं नामक पुस्तक का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थ प्राची अस्पताल से समझौता ज्ञापन होगा तथा कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संचालन संबंधी घोषणा कुलपति करेंगे। उन्होंने उक्त कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों,कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से उपस्थित रहने की अपील की है।

हिन्दी दैनिक
संयम भारत
18 वर्षों से प्रगति के पथ पर अग्रसर
उत्तर प्रदेश सोमवार, 23 दिसम्बर 2024 प्रयागराज विचार

## अटल जी की सौवीं जयंती पर मुक्त विश्वविद्यालय में त्रिदिवसीय कार्यक्रम का शुभारम्भ

### काव्य पाठ, राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही होगी अटल प्रतिमा की स्थापना

संयम भारत संवाददाता

प्रयागराज ।उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री पँडित अटल बिहारी बाजपेई के जन्मोत्सव पर 23 से 25 दिसंबर 2024 तक त्रिदिवसीय समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें काव्य पाठ, राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ ही अटल प्रतिमा की स्थापना की जाएगी। 23 दिसंबर को सायं 3:00 बजे से हिंदुस्तानी एकेडमी एवं मुक्त विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काव्य संध्या का आयोजन किया गया है।जिसके मुख्य अतिथि सुनीत राय, डीआईजी रेंज, सीआरपीएफ, प्रयागराज होंगे तथा अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे।अटल जी की स्मृति में आयोजित काव्य संध्या में प्रोफेसर वशिष्ठ अनूप, वाराणसी डॉ कमलेश राय, मऊ, डॉ अतुल बाजपेई, लखनऊ, पीयूष मालवीय, दिल्ली, अमित शुक्ला, रीवा, मानक मुकेश, कानपुर, तथा डॉ श्लेश गौतम, डॉ विनम्र सेन सिंह, अशोक बेशरम, डॉ वंदना शुक्ला,राधा शुक्ला एवं मिस्बाह इलाहाबादी, प्रयागराज काव्य पाठ करेंगे। इसी क्रम में 24 दिसंबर 2024 को लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में अपराह्न 3:00 बजे लोकतंत्र में नैतिक मूल्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जिसके मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता मिथिलेश नारायण, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षण प्रमुख, पूर्वी उत्तर प्रदेश, लखनऊ तथा विशिष्ट अतिथि राधाकांत ओझा, वरिष्ठ अधिवक्ता, उच्च न्यायालय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी के अध्यक्षता प्रोफेसर सत्यकाम, कुलपति, उत्तर प्रदेश राजेश टंडन मुक्त विश्वविद्यालय करेंगे। अटल बिहारी वाजपई सुशासन पीठ के निदेशक प्रोफेसर प्रदीप कुमार पांडेय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि 25 दिसंबर को विश्वविद्यालय परिसर में भारत रत्न पँडित अटल बिहारी बाजपेई की आदमकद प्रतिमा की स्थापना की जाएगी एवं अटल द्वारा रचित चुनी हुई कविताएं नामक पुस्तक का वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थ प्राची अस्पताल से समझौता ज्ञापन होगा तथा कुम्भ अध्ययन में प्रमाण पत्र कार्यक्रम के संचालन संबंधी घोषणा कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। उन्होंने उक्त कार्यक्रमों में विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों,कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से उपस्थित रहने की अपील की है।

## मुक्तविश्वविद्यालय मेंअटलजन्मोत्सवपरहुआकाव्य पाठ का आयोजन

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराजमेंसुशासनसप्ताह के अंतर्गतअटलजन्मोत्सवपरसोमवारदिनांक 23 दिसम्बर, 2024 कोहिंदुस्तानी एकेडमी के सहयोग से काव्य संध्याका आयोजनकियागया।आमंत्रित कवियोंकोमुख्य अतिथिश्रीसुनीतराय, डीआईजीरेंज, सीआरपीएफ, प्रयागराज, प्रोफेसरसत्यकाम, माननीय कुलपति, उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय तथाश्रीमनोजगौतमकमांडेंटआर ए एफ ने स्मृतिचिन्ह एवंअंगवस्त्र से सम्मानितकिया।

अतिथियों का स्वागतसंयोजकप्रोफेसरसत्यपालतिवारी ने किया।समारोह का संचालन डॉ0साधनाश्रीवास्तव ने एवंधन्यवादज्ञापनकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने किया।

इस अवसरपरआमंत्रित कवियों ने अपनीरचनाओं से जमकरतालियांबटोरीऔरमाहौलको गुंजायमान कर दिया।

*समारोह का संचालनकरतीहुई डॉ0 साधनाश्रीवास्तव*

*दीपप्रज्वलितकरसमारोह का शुभारम्भकरतेहुए एवंअटलबिहारीबाजपेयीजीतथामॉसरस्वतीजी के चित्र परमाल्यार्पणकरतेहुए माननीय अतिथिगण*

विश्वविद्यालय कुलगीतप्रस्तुतकरतेहुए श्रीनिकेत

अतिथियों का स्वागतकरतेहुए संयोजकप्रोफेसरसत्यपालतिवारी

माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

माननीय अतिथियों एवंकवियोंसम्मानकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

*काव्य संध्या का संचालनकरतेहुए कवि डॉ0 श्लेशगौतम*

## होकोईकितनाभीनजदीकीपरउचितदूरी जरूरी है— डॉ विनम्रसेन

युवाकवियत्री मिस्बाहइलाहाबादी ने अटलजी की शख्सियतको यादकरतेहुए कहासाफसुथरीतबीयत के मालिकथेतुम ।तुमसभी के लिए गंगाजलहोगए ।भूलसकतानहींकोईतुमकोकभी ।तुमअटलथेअटल से अटलहोगए।
वरिष्ठसाहित्यकारप्रोफेसरवशिष्ठअनूप, काशीहिंदूविश्वविद्यालय, वाराणसी ने शानदाररचनाप्रस्तुतकरतेहुए कहातुलसी के जायसी के रसखान के वारिसहैं । कवितामेंहमकबीर के ऐलान के वारिसहैं ।हमसीकरी के आगेमाथानहींझुकाते ।कुंभन की फकीरी के अभिमान के वारिसहैं।

मुकेशमानक, कानपुर ने बड़ीगंभीरता से सुनायाथोड़ीइचकीलियाक्यासांसों ने, लोग समझे किमरचुकाहूंमैं।
डॉ कमलेशराय ने सुनायानेहबिरवासंजो के देख दत ।बीजऊसरमेंबोके देखतदत। दुरूख का केतनासहेके। एक दिनरामहोके देख दत।

डॉ0विनम्रसेन सिंह ने जिंदगी के अर्थकोपरिभाषितकरतेहुए कहाजिंदगी के रास्तेपरअबठहरकरचलनाजरुरीहै, लोगकहतेहैंडरो मत परअबतोडरनाभीजरुरीहै ।हैंबहुतनकली यहांरिश्तेइसलिए ये याद रखनातुम, होकोईकितनाभीनजदीकीपरउचितदूरीजरुरीहै।

कविपीयूषमालवीय ने सुनायाकविवंशविभूषणकलमकार, जग रुदन करेतुमकोपुकार। यम की थीकैसी यह कटार ? जिससेतुमनेठानी न रार।

डॉ श्लेशगौतम ने आमंत्रित कवियोंमेंजोशभरतेहुए कहालिखा कियारहजाएगा, रहतानहीं शरीर ।इसीलिए मरतेनहींतुलसीसूरकबीर।

अमित शुक्लारीवा की हास्यपूर्णरचनाओं ने माहौलमेंरंगतपैदाकरदी ।उनकी यह गंभीररचनाबहुतपसंद की गई ।डरहैतुमकोतो मत आना, बिटियातुम बस रानीबनकर ।आनाहोधरतीमेंतो, आओतुममर्दानीबनकर।
अतुलबाजपेई, लखनऊ की देशभक्तिपूर्णरचनामैंभारतहूं ने पूरेसभागारमेंजोशभरदिया।

राधा शुक्लाप्रयागराज ने नारी शक्ति की मजबूती के लिए सुनायामजबूरनहींमजबूतबनेगीअबनारी, हंस करअपना जीवन काटोतुमप्यारी ।ओ गृहणी गृह के कार्यअंतहीनहोतेहैं ।तो स्वतरू हेतुकुछ श्रम करलोप्यारीनारी।

डॉ वंदना शुक्लाप्रयागराज ने सुनायामहिमाजिसकीअद्भुतअपार, कलकलजमुना की धवलधार। जय—जय त्रिवेणी जय, जय प्रयाग जय पुण्य भूमि जय संस्कार।

*काव्य पाठकरतेहुए कविगण*

मुख्य अतिथिसुनीतराय

माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम

*राष्ट्रगान*

मुख्य अतिथिसुनीतराय कमांडेंटआर ए एफ, श्रीमनोजगौतम, कमांडेंटआर ए एफ, श्रीगोपालजीपाण्डेय प्रशासनिकअधिकारीहिंदुस्तानी एकेडमीआदिउपस्थितरहे।

# मुक्तविश्वविद्यालय मेंराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

*दीपप्रज्वलितकरकार्यक्रम का शुभारम्भकरतेहुए मुख्य अतिथि एवंमुख्य वक्ताश्रीमिथिलेशनारायण जी, विशिष्टअतिथिश्रीराधाकांतओझा जी एवं माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी*

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराजमेंअटलसुशासनसप्ताह के अंतर्गतअटलबिहारीबाजपेई की सौवींजयंती के अवसरपरमंगलवारकोलोकमान्य तिलक शास्त्रार्थसभागारमेंलोकतंत्र मेंनैतिकमूल्य विषय परराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजनकियागया । जिसकेमुख्य अतिथि एवंमुख्य वक्ताश्रीमिथिलेशनारायण, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षणप्रमुख, पूर्वीउत्तरप्रदेश, लखनऊ एवंविशिष्टअतिथिश्रीराधाकांतओझा, वरिष्ठअधिवक्ता, उच्चन्यायालय, उत्तरप्रदेश, प्रयागराजरहे।संगोष्ठी की अध्यक्षताउत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय के माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी ने की।

इससेपूर्वअतिथियों का स्वागतअटलसुशासनपीठ के निदेशकप्रोफेसर पी0 के0पाण्डेयने तथाविषय प्रवर्तनसमाजविज्ञानविद्या शाखा के निदेशकप्रोफेसर एस कुमार ने किया।संचालन डॉ0आनंदानंद त्रिपाठी एवंधन्यवादज्ञापन डॉ त्रिविक्रमतिवारी ने किया।प्रारंभमेंकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने अतिथियों का अंगवस्त्र स्मृतिचिन्ह एवंपौधादेकरसम्मानकिया।

*कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए डॉ0 आनंदानंद त्रिपाठी*

*विश्वविद्यालय का कुलगीतप्रस्तुतकरतेहुए श्रीअनुराग शुक्ला*

## उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

*माननीय अतिथियोंकोपुष्पगुच्छभेंटकरउनकास्वागतकरतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण*

*अतिथियों का स्वागतकरतेहुए अटलसुशासनपीठ के निदेशकप्रोफेसर पी0 के0 पाण्डेय*

*विषय प्रवर्तनकरतेहुए समाजविज्ञानविद्या शाखा के निदेशकप्रोफेसर एस0 कुमार*

# लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए तत्पररहेअटलजी–मिथिलेशनारायण

मुख्य अतिथि एवंमुख्य वक्ताश्रीमिथिलेशनारायण, क्षेत्र बौद्धिक शिक्षणप्रमुख, पूर्वीउत्तरप्रदेश, लखनऊ ने कहाकिअटलबिहारीबाजपेईलोकतांत्रिक मूल्य की रक्षा करतेहुए सभीकार्यकरतेथे।वहसत्य के साथकभी समझौतानहींकरतेथे।उन्होंनेकहाकिअटलजी की कविताएंरोटीकपड़ामकान के लिए सीमितनहींथीं।उनकीकविताएंभारतीय जीवन मूल्यों से ओतप्रोतथी।अटलजीकहतेथेविश्व के लिए सबसेबड़ीचुनौतीपर्यावरणहै यदि यह सुरक्षितनारहातो जीवन अस्तव्यस्तहोजाएगा।इसलिए आजपर्यावरणकोसंरक्षितकरनाहम सब की जिम्मेदारीहै।अटलजी ने अनेककीर्तिमानस्थापितकिए जिनमेंस्वर्णिमचतुर्भुजपरियोजनाआजफलीभूतहोरहीहै।उन्होंनेकहाकिअटलजी का माननाथाकिभारतकेवल एक नक्शानहींहैबल्किहमसभीभारतहैं।

# अटलजी ने की नैतिकमूल्यों की स्थापना—आरकेओझा

विशिष्टअतिथिश्रीराधाकांतओझा, वरिष्ठअधिवक्ता, उच्चन्यायालय, उत्तरप्रदेश, प्रयागराजने कहाकिआजअटलजीकोमाननेवालेबहुतहैंलेकिनउनकीविचारधारापरलोगोंकोचलकरदिखानापड़ेगा |समाज मेंजिसप्रकारनैतिकमूल्यों का ह्रासहोरहाहै, उसकोबचाने के लिए हमेंअटलजी के जीवन दर्शनकोआत्मसातकरनाआवश्यक होगयाहै |भारतीय परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तोअटलजी एक ऐसेव्यक्तिथेजिन्होंने न केवलनैतिकमूल्यों की स्थापना की बल्किनैतिकमूल्यों के साथ जिए भी |उन्होंनेकहाकिसमाजमेंऊंचे पद परबैठेहुए लोगों का मूल्यांकनकियाजारहाहैइसलिए हमेंअपनेनैतिकमूल्यों के प्रतिवफादाररहनाहोगा |

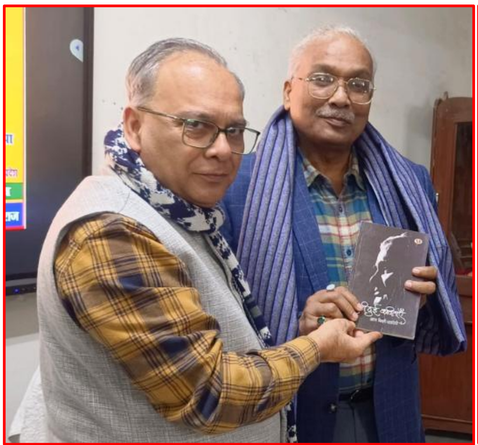

*माननीय अतिथियोंकोअंगवस्त्र, पुस्तक, पौधा एवंहरितफलभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकाम जी*

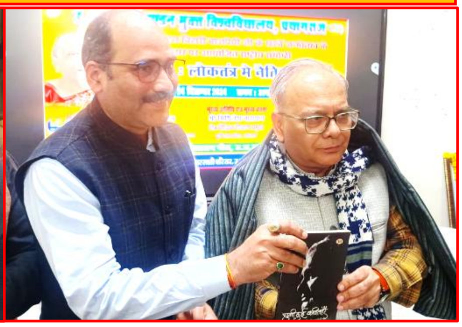

*माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजीअंगवस्त्र, पुस्तक, पौधा एवंहरितफलभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए प्रो0 एस0 कुमार एवं प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय*

# नैतिकता की अवधारणाथेअटलबिहारी–प्रोफेसरसत्यकाम

संगोष्ठी की अध्यक्षताकरतेहुए प्रोफेसरसत्यकाम, कुलपति, उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय ने कहाकिअटलजीनैतिकता की प्रतिमूर्ति के साथहीनैतिकता की अवधारणाथे।जहांअहिंसाऔर शांतिहै, वहींअटलजीहैं।भारतको शक्तिशालीबनाने के लिए अटलजी ने पोखरणमेंपरमाणुपरीक्षणकिया।उन्होंनेपूरेभारतकोनईदिशादी।उन्होंनेभारतीय संस्कृतिकोकेंद्रमें रखा।धर्मऔरअधर्म का जोसंवादगीतामेंहै, वहीसंवादअटलबिहारीकरतेहैं।प्रोफेसरसत्यकाम ने कहाकिअटलजी के अंदरभारतको शक्तिशालीबनाने के लिए बड़ीउदारतातथाहृदय की विशालताथी।आजभीकोईव्यक्तिअटलजी की आलोचनानहींकरता।

उ0प्र0 राजर्षिटण्डनमुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराज

*माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजीअंगवस्त्र, पुस्तक, पौधा एवंहरितिफलभेंटकरउनकासम्मानकरतेहुए प्रो0 एस0 कुमार एवं प्रो0 पी0 के0 पाण्डेय*

***राष्ट्रगान***

# मुक्तविश्वविद्यालय मेंअटलजी की प्रतिमास्थापित

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय प्रयागराजमेंअटलबिहारीबाजपेईसुशासनपीठ के तत्वावधानमेंबुधवारदिनांक 25 दिसम्बर, 2024 कोभारतरत्नपूर्वप्रधानमंत्री पंडितअटलबिहारीबाजपेई का सौवांजन्मोत्सवधूमधाम से मनायागया। इस अवसरपरसरस्वतीपरिसरमेंअटलप्रेक्षागृह के समीपअटलबिहारीबाजपेई की प्रतिमा की स्थापना की गई।जिसकाअनावरणराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेनपटेल के संरक्षकत्वमेंकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने किया। इस अवसरपरअटलजीको यादकरतेहुए उनके प्रति श्रद्धा सुमनअर्पितकिया गया।

छात्रोंकोसम्बोधितकरतेहुए माननीय कुलपति प्रो0 सत्यकामजी

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
आचार्य सत्यकाम

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय,
भारत के पूर्व प्रधानमंत्री
भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेई जी
प्रतिमा की स्थापना
श्रीमती आनंदीबेन पटेल
आचार्य सत्यकाम
कर्नल विनय कुमार

विश्वविद्यालय, प्रयागराज

विश्वविद्यालय, प्रयागराज

# राष्ट्र के विकासमेंअटलजी का अमूल्य योगदान–राज्यपाल

अटलजन्मोत्सवपरअटलप्रेक्षागृहमेंआयोजितसमारोहमेंप्रदेश की राज्यपाल एवंविश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेनपटेल ने राजभवन से ऑनलाइनसंदेशदेतेहुए कहाकिअटलजी ने राष्ट्र के विकासमेंअमूल्य योगदानदिया।वहबहुमुखीप्रतिभा के धनीमहापुरुष थे।वेअच्छेकवि व पत्रकार के साथहीलोकतंत्र के प्रहरीथे।वहसामाजिकसमरसतापरजोर देतेथेऔरमहिलासशक्तिकरण के प्रबलसमर्थकथे।

श्रीमती पटेल ने कहाकिअटलजी के प्रेरकनेतृत्वमेंभारतीय अर्थव्यवस्था ने स्थिरवृद्धि प्राप्त की औरदेश के सूचनाप्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनने का मार्गप्रशस्तकिया।अटलबिहारीबाजपेई का व्यक्तित्वविद्यार्थियों के लिए प्रेरकहै।उनकीबहुतसीबातें ऐसीहैंजिनपरविद्यार्थियोंकोमननकरनाचाहिए।शिक्षा द्वाराही युवाओंमेंराष्ट्र प्रेम का भावजागृतकियाजासकताहै।उन्होंनेविश्वविद्यालय मेंअटलजी की प्रतिमास्थापितहोनेपरहर्षव्यक्तकिया।

इस अवसरपरविश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थप्राचीअस्पताल से समझौताज्ञापनपत्र परकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम की मौजूदगीमेंकुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने एवंअस्पतालप्रबंधन ने हस्ताक्षरकिया ।इसकेसाथहीकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने प्रवेश सत्र जनवरी 2025 से कुम्भअध्ययन मेंप्रमाणपत्र कार्यक्रम के संचालनसंबंधी घोषणा की तथाविश्वविद्यालय के वार्षिकप्रतिवेदनतथानववर्ष के कैलेंडर का

*कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए डॉ0 त्रिविक्रम*

*विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुती*

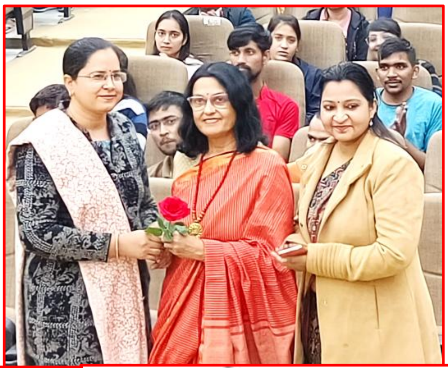

*माननीय अतिथियों कोपुष्पगुच्छभेंट करउनकास्वागत करतेहुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण*

कार्यक्रम की रूपरेखा अटलबिहारीबाजपेईसुशासनपीठ के निदेशकप्रोफेसर पी0 के0पाण्डेय ने प्रस्तुतकी ।समारोह का संचालन डॉ त्रिविक्रमतिवारीऔरधन्यवादज्ञापनकुलसचिवकर्नल विनय कुमार ने किया। इस अवसरपरविश्वविद्यालय के निदेशक, शिक्षक, कर्मचारी, शोधछात्र एवंलालबहादुर शास्त्री राजकीय होम्योपैथीकॉलेज के

*कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुतकरतेहुए अटलबिहारीबाजपेईसुशासनपीठ के निदेशकप्रोफेसर पी0 के0पाण्डेय*

# समझौताज्ञापनपत्र परहस्ताक्षर

विश्वविद्यालय परिवार के स्वास्थ्य कल्याणार्थप्राचीअस्पताल से माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम की मौजूदगीमें समझौताज्ञापनपत्र परहस्ताक्षरकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमारएवंअस्पतालप्रबंधक डॉ0 प्रशान्तपटेल

# कुम्भ अध्ययन मेंप्रमाण–पत्र कार्यक्रम की स्व–अध्ययन सामग्री का विमोचन

*कुम्भ अध्ययन मेंप्रमाण–पत्र कार्यक्रम की स्व–अध्ययन सामग्री का विमोचनकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी एवंअन्य*

*विश्वविद्यालय के वार्षिकप्रतिवेदनतथानववर्ष के कैलेंडर का लोकार्पणकरतेहुए माननीय कुलपतिप्रोफेसरसत्यकामजी एवंअन्य*

# जनवरी से कुम्भअध्ययन मेंप्रमाणपत्र–कुलपति

## अटलजीभारत की महत्वपूर्ण शख्सियतथे–प्रोफेसरसत्यकाम

विश्वविद्यालय परिसरमेंभारतरत्नपंडितअटलबिहारीबाजपेई की आदमकदप्रतिमा की स्थापना के उपरांतकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने अपनेसंबोधनमेंकहाकिअटलजीभारत की महत्वपूर्ण शख्सियतथे।उन्होंनेकहाकिभावुकहोना एक राजनीतिज्ञ की कमजोरीहोतीहैलेकिनउसेभावुकताकोअटलजी ने एक शिला की तरहअटलकरदियाऔर ऐसेभारत के निर्माण की नींव रखीजिसमेंहमअपनेकोपहचानसकेंकिहमभारतीय हैं।

धन्यवादज्ञापनकरतेहुए कुलसचिवकर्नलविनय कुमार

राष्ट्रगान

# मुक्तविश्वविद्यालय में निःशुल्कप्राथमिक चिकित्सा कार्यशाला काआयोजन

## महाकुंभ के लिए मुविवि के शिक्षकोंकोप्राथमिकउपचार का प्रशिक्षण

उत्तरप्रदेशराजर्षि टंडन मुक्तविश्वविद्यालय, प्रयागराजमेंस्वास्थ्य विज्ञानविद्याशाखा दोदिवसीय निःशुल्कप्राथमिकचिकित्साकार्यशाला का आयोजनसोमवारकोकियागया।कार्यशाला के पहलेदिनप्राचीअस्पताल, फाफामऊप्रयागराज के सहयोग से निःशुल्कप्रशिक्षणप्रदानकियागया।

कार्यशाला का शुभारंभकुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने किया।सरस्वतीपरिसरमेंआयोजित इस कार्यशालामेंकुलपति ने दीपप्रज्ज्वलितकरकार्यक्रम का विधिवतउद्घाटनकिया।

कार्यशाला के प्रतिविश्वविद्यालय परिवार के सदस्योंमेंविशेषउत्साह देखा गया। इस अवसरपरस्वास्थ्य विज्ञानविद्याशाखा की प्रभारीप्रोफेसरमीरापाल ने कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम एवंप्राचीअस्पताल, फाफामऊ, प्रयागराज की टीम का स्वागतकिया।कार्यशालामें 70 से अधिकविश्वविद्यालय परिवार के सदस्य ने नामांकनकराया।

प्राचीअस्पताल के प्रबंधकश्रीराहुल सिंह ने आयोजनमेंविशेष योगदानदिया।कार्यशालामेंछात्रोंऔरशिक्षकों ने उत्साहपूर्वकभागलियाऔर इसे बेहदउपयोगीबताया।

कार्यक्रम का संचालनअमित सिंह तथाधन्यवादज्ञापनअनुराग शुक्ला ने किया।कुलसचिवकर्नलविनय कुमार ने बतायाकिप्रशिक्षणकार्यशाला का समापनमंगलवारकोहोगा।

*दीपप्रज्ज्वलितकरप्रशिक्षणकार्यक्रम का शुभारम्भकरतेहुए माननीय अतिथिगण*

कार्यक्रम का संचालनकरतेहुए श्रीअमित सिंह

विश्वविद्यालय कुलगीतप्रस्तुकरतेहुए श्रीनिकेत सिंह

पुष्पगुच्छभेंटकरमाननीय अतिथियों का स्वागतकरतीहुईस्वास्थ्य विज्ञानविद्याशाखा की प्रभारी प्रो0 मीरापाल

प्रशिक्षणकार्यक्रमके बारेमेंबतातेहुए डॉ0 अनुराग शुक्ला

इस अवसरपरमुख्य वक्ता डॉ संतोषमिश्रा ने प्राथमिकचिकित्सा के विभिन्नपहलुओंऔरतकनीकोंपरव्यावहारिकजानकारीदी।उन्होंनेबतायाकिआपातकालीनस्थितिमेंसही समय परदीगईप्राथमिकचिकित्सा जीवन बचानेमेंअत्यंतमहत्वपूर्णहोतीहै। डॉ संतोष ने प्राथमिकचिकित्सातथा फर्स्ट एड के महत्वको समझातेहुए कईमहत्वपूर्णविषयोंपरजानकारीदी।उन्होंनेबतायाकिफ्रैक्चरहोनेपरहड्डीकोस्थिरकैसेकरें।हाथपैरटूटनेपरक्याकरें, बेहोशहोने की स्थितिमेंतुरंतक्याकदमउठाएं, सांसफूलनेपरराहतकैसेदें, भागदौड़ ;भगदड़ की स्थितिमें घायलव्यक्तियों की मददकैसेकरेंऔरकरंटलगनेपरप्राथमिकउपचारकैसेकरें।

इसकेअलावाए उन्होंनेकीड़े या बिच्छू के काटनेपरतत्कालउठाए जानेवालेउपायोंपरभीप्रकाशडाला। डॉ संतोष ने बतायाकिउल्टीहोने, छातीमेंदर्द या अन्य गंभीरपरिस्थितियोंमेंक्याकरनाचाहिए औरसीपीआरदेने की प्रक्रियाकोविस्तार से समझाया।

उन्होंनेप्राथमिकचिकित्साकिटबनाने के तरीकेऔरउसमें शामिलआवश्यक वस्तुओंजैसेपट्टियां, एंटीसेप्टिकक्रीम, पेनकिलर, थर्मामीटर, बैंडेजऔरअन्य जरूरी सामग्री के बारेमेंभीबताया।उनकीजानकारी ने सभीप्रतिभागियोंकोआपातकालीनस्थितियोंमेंआत्मनिर्भरबननेऔरदूसरों की मददकरने के लिए प्रेरितकिया।

डॉ संतोष ने ब्लड प्रेशर के कम औरज्यादाहोनेपरतुरंतक्याउपाय करनेचाहिए इस परभीविस्तार से जानकारीदी।उन्होंनेबतायाकि ब्लड प्रेशरलोहोनेपरव्यक्तिकोआरामदायकस्थितिमेंलिटाकरउसकेपैरोंकोथोड़ाऊंचाकरनाचाहिए औरउसेनमकपानी का घोल या मीठा पेय देनालाभकारीहोसकताहै।

ब्लड प्रेशरहाईहोनेपरव्यक्तिको शांत रखने, गहरीसांसलेने के लिए कहनेऔरनमकीन या तैलीय खाद्य पदार्थों से बचाने की सलाहदी।उन्होंने यह भीबतायाकिअगरस्थितिगंभीरहोतोतुरंतनजदीकीअस्पताल या स्वास्थ्य केंद्रलेजानाचाहिए।

डॉ संतोष ने ब्लड शुगर के स्तरपरभीचर्चाकी। शुगरलोहोनेपरव्यक्तिकोतुरंतग्लूकोज, चीनी, चॉकलेट या मीठा पेय देनाचाहिए ताकि शुगर का स्तरसामान्य होसके।वहीं शुगरहाईहोनेपरइंसुलिन या डॉक्टर की सलाहअनुसारउपाय अपनाने की सलाहदी।

उन्होंनेबतायाकि ऐसीकिसीभीआपातस्थितिमेंव्यक्तिकोसुरक्षितऔरआरामदायकस्थितिमें रखकरबिनादेरी के नजदीकीअस्पताल या स्वास्थ्य केंद्रपहुंचाने के लिए सावधानीबरतनीचाहिए।

कुलपतिप्रोफेसरसत्यकाम ने इस प्रकार के प्रशिक्षण एवंजागरूकताकार्यशालाओं की आवश्यकतापर बल दियाऔरप्रतिभागियोंकोप्रेरितकियाकिवेसमाजमें इस ज्ञानकोआगे बढ़ाएं।उन्होंने अपेक्षा की किप्रशिक्षण के उपरांतमहाकुंभमेंवह इस विधा का प्रयोगअवश्य करें।

# प्राथमिकचिकित्सा (फर्स्ट एड)

*प्राथमिकचिकित्सा (फर्स्ट एड)*

*के महत्वकोसमझातेहुएडॉ. संतोष*

कार्यक्रम का सफलसमापनसभीअतिथियोंऔरप्रतिभागियों के प्रतिधन्यवादज्ञापन के साथहुआ।